सपोर्टिव सुपरविजन भ्रमण आख्या

जनपद–बाँदा

दिनांक 26, 27 व 28 अगस्त, 2015

राज्य कार्यक्रम प्रबन्धन इकाई से तीन सदस्यीय भ्रमण टीम डॉ अनिल कुमार वर्मा, महाप्रबन्धक, बाल स्वास्थ्य, श्री अभिषेक यादव, परामर्शदाता, राष्ट्रीय कार्यक्रम एवं श्री अरविन्द सिंह, कार्यक्रम समन्वयक, मातृ स्वास्थ्य द्वारा चित्रकूट मण्डल के जनपद बाँदा की विभिन्न स्वास्थ्य इकाइयों का सपोर्टिव सुपरविजन भ्रमण दिनांक 26, 27 एवं 28 अगस्त, 2015 को किया गया है। जिसकी बिन्दुवार आख्या निम्नवत है–

➢ जिला महिला चिकित्सालय बाँदा–(एफ0आर0यू0)

- जननी सुरक्षा योजना के तहत लाभार्थियों को प्रदान किये जाने वाली की धनराशि का वितरण अद्यतन नहीं था। वित्तीय वर्ष 2015–16 में माह अप्रैल से अगस्त माह तक की अवधि में कुल 1932 प्रसव कराये गये जबकि 1932 प्रसव के सापेक्ष केवल 1009 लाभार्थियों का ही भुगतान पी0एफ0एम0एस0 के माध्यम से किया गया था। प्रसव के उपरान्त यथाशीघ्र लाभार्थी के खाते में पी0एफ0एम0एस0 के माध्यम से धनराशि अवमुक्त किये जाने का सुझाव दिया गया।
- जिला महिला अस्पताल में वित्तीय वर्ष 2014–15 एवं 2015–16 मे अब तक कोई भी सीजेरियन प्रसव नहीं कराया गया है जिसका कारण निश्चेतक चिकित्सक व सर्जन चिकित्सक का न होना मुख्य चिकित्सिका अधीक्षिका द्वारा बताया गया। जिला महिला अस्पताल में सीजेरियन प्रसव की सेवा प्रदान किये जाने हेतु आन काल ब्यवस्था के तहत प्राइवेट/सरकारी डॉक्टरो के पैनल का मुख्य चिकित्सा अधिकारी के माध्यम से अनुबन्ध कर सीजेरियन प्रसव की सेवा सुनिश्चित करने का सुझाव दिया गया।
- प्रसव के पश्चात लाभार्थियों को जे0एस0वाई0 प्रमाण पत्र नही दिया जा रहा था। चिकित्साका अधीक्षिका को प्रमाण पत्र के बारे में जानकारी भी नही थी। जिला कार्यक्रम प्रबन्धक को प्रमाण पत्र जिला स्तर से प्रिन्ट कराकर समस्त प्रसव इकाईयों पर उपलब्ध कराने का सुझाव दिया गया।
- सिक न्यूबार्न केयर यूनिट (SNCU) क्रियाशील पायी गयी एवं यूनिट में 12 रेडियन्ट वार्मर उपलब्ध थे जिसमे 10 में न्यूबार्न बेबी एडमिटिड थे। यूनिट की साफ सफाई अच्छी थी लेकिन इमरजेन्सी ट्रे में 27 अगस्त को भ्रमण के दौरान 30 अगस्त, 2015 को एक्सापायर होने वाले शार्ट एक्सापायरी इन्जेक्शन रखे हुये थे, जिनका रिकार्ड नही

पाया गया। मुख्य चिकित्साका अधीक्षिका से शार्ट एक्सापायरी मेडिसन का मासिक रिकार्ड रखा जाने हेतु आग्रह किया गया।

- निश्चेतक व सर्जन चिकित्सक के न होने के कारण वित्तीय वर्ष 2014–15 से आपरेशन कक्ष क्रियाशील नही है।
- वर्ष 2015–16 में रोगी कल्याण समिति की शासी निकाय एवं कार्यकारी समिति की मात्र बैठकें नियमित अन्तराल पर आयोजित नहीं की गयी हैं। बैठकों का आयोजन नियमानुसार नियमित किये जाने एवं कार्यवाही का विवरण निर्धारित प्रारुप में अंकित किये जाने का सुझाव दिया गया।
- आ0ई0ई0सी0 के तहत ए.एन.सी./पी.एन.सी. वार्डों में दीवाल लेखन नहीं कराया गया था और एफ.बी.एन.सी. एवं जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के प्रोटोकाल पोस्टर भी उपलब्ध नहीं थे। जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के तहत लाभार्थियों को मिलने वाली सुविधाओं से सम्बन्धित संदेश/सूचनाओं का लेखन कराये जाने का सुझाव दिया गया।
- स्वास्थ्य इकाई में ड्रग लिस्ट डिस्पले थी पर विजबिल नही थी जिसे दोबारा पेन्ट कराने के लिए कहा गया।
- मुख्य चिकित्सका अधिक्षिका के कमरे के बाहर सुझाव पेटिका उपलब्ध थी लेकिन उसका कोई अभिलेख उपलब्ध नही था।
- जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के तहत लाभार्थियों को दिये जा रहे भोजन एव ंनाश्ते का विवरण निर्धारित प्रारुप/अभिलेख के रुप में उपलब्ध नहीं था। निर्धारित प्रारुप में अभिलेख तैयार कराये जाने का सुझाव दिया गया।
- फैमिली प्लानिंग काउन्सलर द्वारा वार्ड में जाकर काउन्सलिंग की जा रही है एवं उसका प्रभाव लाभार्थियों पर हो रहा है। काउन्सलर को कार्यक्रम की अधिक जानकारी हेतु एक ट्रेनिंग की आवश्यकता है।

➢ **<u>सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र नरैनी (नान एफ.आर.यू.)</u>**

- सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र नरैनी में 02 मेडिकल आफिसर उपस्थित थे एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र चिकित्सा प्रभारी डॉ ए0के0 सिंह अनुपस्थित मिले। भ्रमण टीम द्वारा उनको भ्रमण पर आने का उददे्श्य बताया गया। स्वास्थ्य इकाई भ्रमण के दौरान द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र नरैनी के स्टाफ द्वारा कोई भी भौतिक एवं वित्तीय अभिलेख प्रदान नही कराया गया। इस प्रकार प्रकार की परिस्थति उत्पन्न होने पर भ्रमण दल के सदस्यों द्वारा मुख्य चिकित्सा अधिकारी से वार्ता कर इकाई के समस्त अभिलेख जिला मुख्यालय में आगामी दिवस में मंगवाने के लिए कहा गया।

- जननी सुरक्षा योजना के तहत लाभार्थियों को प्रदान किये जाने वाली रु0 1400/–एवं रू 1000/– की धनराशि का वितरण अद्यतन नहीं था। वित्तीय वर्ष 2015–16 में माह अप्रैल से अगस्त माह तक की अवधि में कुल 1464 प्रसव कराये गये जबकि 1464 प्रसव के सापेक्ष केवल 1103 लाभार्थियों का ही भुगतान पी0एफ0एम0एस0 के माध्यम से किया गया। प्रसव के उपरान्त यथाशीघ्र लाभार्थी के खाते में पी0एफ0एम0एस0 के माध्यम से धनराशि अवमुक्त किये जाने का सुझाव दिया गया।
- एम0सी0टी0एस0 पोर्टल में डाटा इन्ट्री आपरेटर द्वारा कोई भी इन्ट्री नही की जा रही थी। चिकित्सा अधीक्षक द्वारा अवगत कराया गया कि आपरेटर को समाजवादी पेंशन योजना में कार्य लिये जाने के कारण पोर्टल में इन्ट्री नहीं हो पा रही है।
- आ0ई0ई0सी0 के तहत पी.एन.सी. वार्डों में दीवाल लेखन नहीं कराया गया और एच.बी. एन.सी. प्रोटोकाल पोस्टर भी उपलब्ध नहीं थे। जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के तहत लाभार्थियों को मिलने वाली सुविधाओं से सम्बन्धित संदेश/सूचनाओं का लेखन कराये जाने का सुझाव दिया गया।
- सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, नरैनी 2015–16 में एफ0आर0यू0 हेतु प्रस्तावित है किन्तु विशेषज्ञ चिकित्सकों की अनुप्लब्धता के कारण सीजेरियन प्रसव की ब्यवस्था नही हैं। जिला कार्यक्रम प्रबन्धक को सुझाव दिया गया कि अस्पताल में सीजेरियन प्रसव की सेवा प्रदान किये जाने हेतु आन काल ब्यवस्था के तहत प्राइवेट/सरकारी डॉक्टरो के पैनल को मुख्य चिकित्सा अधिकारी के माध्यम से अनुबन्ध कर सीजेरियन प्रसव की सेवा सुनिश्चित करायें।
- जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के तहत लाभार्थियों को दिये जा रहे भोजन एव ंनाश्ते का विवरण निर्धारित प्रारुप/अभिलेख के रुप में उपलब्ध नहीं था। निर्धारित प्रारुप में अभिलेख तैयार कराये जाने का सुझाव दिया गया।
- लेबर रुम में कोई भी प्रोटोकाल पोस्टर एवं पर्दे इत्यादि नही लगे है।
- प्रसव के पश्चात लाभार्थियों को जे0एस0वाई0 प्रमाण पत्र नही दिया जा रहा था।

➢ **<u>न्यू प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र मटौधँ (नान एफ.आर.यू.)</u>**

- न्यू प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र 04 बिस्तरे वाली इकाई थी जिसमे 35 से 40 प्रसव का प्रत्येक माह का प्रसव भार था एवं ओ0पी0डी0 80 से 100 मरीज प्रतिदिन अभिलखो में दर्ज पायी गयी।
- जननी सुरक्षा योजना के तहत लाभार्थियों को प्रदान किये जाने वाली रु0 1400/– एवं रू 1000/– की धनराशि का वितरण का रिकार्ड अद्यतन नहीं था। वित्तीय वर्ष 2015–16 में माह अगस्त मे 55 प्रसव दर्ज थे लेकिन 55 प्रसवों मे से जे0एस0वाई0

योजना के तहत भुगतान का रिकार्ड इकाई स्तर पर नही रखा जा रहा था। चिकित्सा अधिकारी डॉ अजय कुमार चौरासिया द्वारा अवगत कराया गया कि स्वास्थ्य इकाई से प्रसव का रिकार्ड ब्लाक पी0एच0सी0 को भेज दिया जाता है एवं जे0एस0वाई0 भुगतान की कार्यवाही पी0एच0सी0 के स्तर से ही होती है एवं समस्त वित्तीय रिकार्ड वही पर उपलब्ध है। भ्रमण दल द्वारा प्रत्येक माह का जे0एस0वाई का लाभ प्राप्त लाभार्थियों का वित्तीय अभिलेख स्वास्थ्य इकाई में रखने एवं अपडेट करनें का सुझाव दिया गया।

- लेबर रूम में एन0बी0सी0सी0 क्रियाशील नही था एवं इकाई पर उपलब्ध 02 रेडियन्ट वार्मर मशीन खराब स्थिति में थी जिसे यथाशीघ्र मेन्टीनेन्स कराने का निर्देश दिया गया।
- भ्रमण के दौरान मौजूद ए0एन0एम0 का एस0बी0ए0 प्रशिक्षण नही हुआ था जिस कारण वह बी0एच0टी0 एवं पार्टोग्राफ के बारे में अनभिज्ञ थी।
- प्रसव कक्ष में नल के पास ही न्यू बार्न केयर कार्नर बनाया गया है जिसको दूसरी जगह शिफ्ट करने की आवश्यकता है। टीम द्वारा सुझाव दिया गया कि उसे कही दूसरी जगह शिफ्ट कर दिया जाये।
- डिलीवरी रुम में कोई भी प्राटोकाल फॉलो नही किया जा रहा था। किसी भी टेबल पर शीट एवं कैलिसपैड नही लगा था। टेबलो के बीच पर्दे भी नही लगे थे।
- आ0ई0ई0सी0 के तहत ए.एन.सी./पी.एन.सी. वार्डों में दीवाल लेखन नहीं कराया गया और एफ.बी.एन.सी. प्रोटोकाल पोस्टर भी उपलब्ध नहीं थे। जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के तहत लाभार्थियों को मिलने वाली सुविधाओं से सम्बन्धित संदेश/सूचनाओं का लेखन कराये जाने का सुझाव दिया गया।
- प्रसव के पश्चात लाभार्थियों को जे0एस0वाई0 प्रमाण पत्र नही दिया जा रहा था।

➢ **<u>वी.एच.एन.डी. सत्र ग्राम मटौधँ:</u>**

- न्यू पी.एच.सी. मटौधँ के बेबी थोक मे स्थापित उपकेन्द्र में आयोजित वी.एच.एन.डी. सत्र का अवलोकन किया गया। सत्र में टीकाकरण किया जा रहा था किन्तु ड्यू लिस्ट उपलब्ध नहीं थी। आशा व ए0एन0एम0 को सत्र के आयोजन से पूर्व ड्यू लिस्ट की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया।
- ए.एन.एम. रानीपाल, आंगनबाड़ी कार्यकत्री, माधुरीपाल एवं सहायिका, सावित्री देवी के द्वारा टीकाकरण सत्र आयोजित हो रहा था। वैक्सीन तथा डाइल्यूएंट चार आइस वाले वैक्सीन कैरियर में जिपर युक्त थैली के अंदर उपलब्ध पाए गए।

- आयोजित सत्र में उपलब्ध सभी वैक्सीन एवं उनके डाइल्यूएंट उपलब्ध पाए गए। ए0एन0एम0 द्वारा टीकाकरण के 4 मैसेज भी लाभार्थियों को दिये जा रहे थे। समस्त रिकार्ड यथावत् भरे जा रहे थे।
- ए0एन0एम0 को सुझाव दिया गया कि वी.एच.एन.डी सत्र हेतु एक फ्लैक्स बैनर बनवा ले जिससे जहॉ भी सत्र आयोजित हो तो उसको लगाया जा सके।
- ए0एन0एम0 द्वारा सभी गर्भवती महिलाओं का ब्लड प्रेशर, वजन, हिमाग्लोबिन इत्यादि का परीक्षण किया जा रहा था। ए0एन0एम0 को अच्छी जानकारी थी।

➢ **उपकेन्द्र बडोखर बुजुर्ग–**

- ब्लाक पी0एच0सी0 महुआ के उपकेन्द्र बडोखर बुजुर्ग का अवलोकन किया गया जो कि न्यू प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के भवन में ही संचालित था।
- ए0एन0एम0 द्वारा न्यू प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के भवन में ही प्रसव कराया जा रहा था। जिस पर 16–20 प्रसव का मासिक प्रसव भार पाया गया लेकिन लेबर रूम की वर्तमान स्थिति को देखकर यह प्रतीत हो रहा था कि लेबर रूम मे कई माह से प्रसव नही कराया गया। प्रसव कक्ष में पानी, लाइट एवं टायलेट की ब्यवस्था नही पायी गयी।
- लेबर रूम में एकत्रित पुरानी मेज एवं कुर्सियों को बाहर निकलवाया गया एवं चिकित्सा अधिकारी डॉ सत्येन्द्र कुमार को प्रसव कक्ष को क्रियाशील करने हेतु निर्देशित किया गया तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारी को भी इस सम्बन्ध में आवश्यक फीडबैक भी दिया गया।
- ए0एन0एम0 की एस0बी0ए0 ट्रेनिंग नही हुयी है, जिला कार्यक्रम प्रबन्धक, बॉदा को जिला स्तर से ए0एन0एम0 का नाम 21 दिन की एस0बी0ए0 ट्रेनिंग हेतु प्रस्तावित करने के लिए सुझाव दिया गया।
- प्रसव के पश्चात लाभार्थियों को जे0एस0वाई0 प्रमाण पत्र नही दिया जा रहा था।

➢ **जिला अस्पताल में स्थापित एन0आर0सी0 का भ्रमण–**

- 10 बिस्तरे वाली स्वीकृत एन0आर0सी0 इकाई अक्टूबर, 2012 से क्रियाशील है लेकिन पेशेन्ट भार ज्यादा होने के कारण जिलाधिकारी की आदेशानुसार 03 बिस्तरे अलग से समायोजित करायें गये है। भ्रमण के दौरान उपलब्ध सभी 13 बिस्तरे भरे हुये थे।
- वित्तीय वर्ष 2014–15 में 1645 अति कुपोषित बच्चे (सैम) अभिलेख में दर्ज थे जिन्हे ए0आर0सी0 मे ट्रीटमेंन्ट दिया गया। वित्तीय वर्ष 2015–16 में 303 बच्चे एन0आर0सी0 से ट्रीटमेन्ट का लाभ अब तक प्राप्त कर चुके है।

- एन0आर0सी0 में 01 पीडियाट्रीशियन (जिला अस्पताल में कार्यरत), 01 मेडिकल आफिसर, 01 न्यूट्रीशियन काउन्सलर, 04 स्टाफनर्स एवं 01 वार्ड ब्वाय के रूप में मानव संसाधन कार्यरत है।
- एन0आर0सी0 में तैनात 04 स्टाफ नर्सो की 06–06 घण्टें की रोस्टर के हिसाब से डयूटी है, लेकिन 01 स्टाफ नर्स के मैटरनिटी अवकाश में चले जाने के कारण एक अतिरिक्त स्टाफ नर्स की आवश्यकता है। जिसके प्रबन्धन हेतु जिला कार्यक्रम प्रबन्धक को आवश्यक सुझाव दिये गये।
- विगत 3 से 04 माह में एन0आर0सी0 की बेड आकुपेन्सी 130 से 140 प्रतिशत पायी गयी।
- विगत 04 वर्षो में कोई भी मृत्यु एन0आर0सी0 में नही हुयी है यह अभिलेखो में पाया गया।

जनपद बाँदा के स्वास्थ्य इकाईयों के भमण के उपरान्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी के साथ बैठक के बिन्दु–

- समस्त जनपद में जे0एस0वाई0 के अन्तर्गत प्रसव उपरान्त प्रदान किये जाने वाले जे0एस0वाई प्रमाण पत्र के अनुपलब्धता के बारे में वार्ता की गयी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी, बाँदा द्वारा 10–15 दिनों के अन्दर प्रमाण पत्र जिला स्तर से प्रिन्ट करवाकर जिले कि समस्त प्रसव इकाईयों पर उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया गया।
- जिला महिला चिकित्सालय एवं 2015–16 में एफ0आर0यू0 के रूप में प्रस्तावित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, नरैनी में सीजेरियन प्रसव की ब्यवस्था सुनिश्चित करवाने हेतु आन काल के माध्यम से प्राइवेट/सरकारी डॉक्टरो के पैनल का अनुबन्ध कर एफ0आर0यू0 क्रियाशील करने का सुझाव दिया गया।
- जनपदों में विशेषज्ञ चिकित्सकों की अनुपलब्धता के कारण विशेषज्ञ चिकित्सकों के चयन हेतु मातृ स्वास्थ्य कार्यक्रम के अन्तर्गत महिला चिकित्साधिकारियों एवं विशेषज्ञ चिकित्सकों की तैनाती हेतु जनपद स्तर पर वॉक–इन–इण्टरव्यू के माध्यम से वर्ष 2015–16 में प्रत्येक माह निर्धारित तिथि/दिवस पर कराये जाने हेतु सुझाव दिया गया।

- जिला अस्पताल में संचालित एन0आर0सी0 में पेशेन्ट लोड को देखते हुये 05 नये बिस्तरो की उपलब्धता हेतु जगह उपलब्ध करवाने का सुझाव दिया गया।
- संविदा मानव संसाधन पर जिला स्वास्थ्य समिति के स्तर से रोक होने के कारण जनपद की भर्ती प्रक्रिया तय समय पर पूर्ण नही हो पायी है। भ्रमण टीम द्वारा मुख्य चिकित्सा अधिकारी को यह सुझाव दिया गया कि जनपद में मानव संसाधन की अनुपलब्धता की स्थिति से जिलाधिकारी महोदय को अवगत कराने एवं भर्ती प्रक्रिया पर रोक हटाने हेतु एक अनुरोध पत्र प्रेषित करने एवं राज्य स्तर से जनपद के भर्ती प्रक्रिया की समय सीमा बढ़ाने हेतु मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन को अनुरोध पत्र प्रेषित करने के लिए कहा गया।
- जनपद में कार्यरत समस्त संविदा स्टाफ का मानदेय प्रत्येक माह की 01 से 05 तारीख के मध्य पी0एफ0एम0एस के माध्यम से स्थानान्तरित करने का सुझाव दिया गया।
- भ्रमण दल द्वारा सुझाव दिया गया कि एम0सी0टी0एस0 पोर्टल में इन्ट्री कराने के उपरान्त ही जे0एस0वाई लाभार्थी को भुगतान किया जाय।

(अरविन्द सिंह)	**(अभिषेक यादव)**	**(डॉ0 अनिल कुमार वर्मा)**
पी0सी0,एम0एच0	**परामर्शदाता,एन0पी0**	**महाप्रबन्धक, बाल स्वास्थ्य**